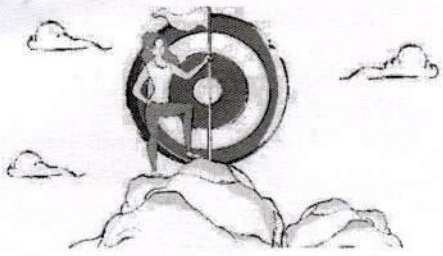

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2928)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00916209

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Vivek Yadav

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिंदी

तारीख
Date

24-Aug-2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)
GENERAL STUDIES (Paper I)

केंद्र
Centre मुखर्जी नगर

Neha Dutt
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

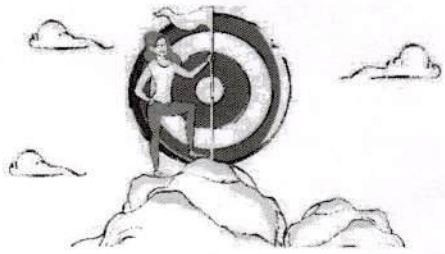

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2928)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. जनजातीय कला किस प्रकार भारतीय जनजातीय समुदायों के सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यों एवं मूल्यों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How does tribal art provide valuable insights into the cultural perspectives and values of Indian tribal communities? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जनजातीय संस्कृति अपनी लोककला, भाषा, साहित्य और धार्मिक परिपूर्णता से संपन्न होती है, इनकी अभिव्यक्ति वे विभिन्न माध्यमों से करते है।

① भित्ति चित्र कला → भील जनजातियों मे और पश्चिमी क्षेत्र की अन्य जनजातियाँ नवरात्रि के समय (नौराता नामक भित्ति चित्र), जिसमे देवी द्वारा राक्षस पर विजय, सत्य की विजय का संकेत

② प्रकृति पूजन

→ राजस्थान में बिश्नोई जाति पशुओ को अपना संबंधी मानती

→ गोंड एवं मुरिया जनजाति पेडो को राखी बांधती।

→ नागालैंड की न्याशा जनजाति हार्नबिल सं(रक्षण)

यं बताता है कि जनजातियाँ प्रकृति और जीवजन्तुओं का सम्मान करती है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ महिलाओ द्वारा बनाई जाने वाली पेंटिंग

→ विश्व प्रसिद्ध पिथौरा चित्रकला

→ तीजन बाई, लहरी बाई जैसी महिलाएँ, जिन्हे पद्मश्री से नवाजा गया है।

→ ये बताता है कि जनजातियो मे महिला सम्मान एवं स्वतंत्रता तथाकथित सभ्य समाज से बेहतर है

④ ईश्वरीय मूर्ति पूजा

→ ईश्वर के प्रति आस्था का समर्पण

→ गोंड जनजाति (मेघनाथ की पूजा करती है)

→ सांस्कृतिक और धार्मिक समन्वयता का प्रमाण

[उदा० → दतिया की भिलाला जनजातियाँ पीर बुधान बाबा (एक सूफी) की पूजा भी करती है

अतः जनजातीय कला - प्रेम, सहयोग, सहिष्णुता, एकता, अहिंसा, और प्रभाविता का गुण प्रदर्शित करती है

VisionIAS

2. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के दृष्टिकोणों में समानता एवं अंतर बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Compare and contrast the approach of Mahatma Gandhi and Jawaharlal Nehru towards the Indian freedom struggle. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय स्वतंत्रता के अग्रदूत रहे गाँधीजी और नेहरू जी, दोनो ने अपना जीवन मातृभूमि के लिए समर्पित किया, और औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाने में मदद की।

गाँधी एवं नेहरू में समानता (स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति)

→ उदारवादियो के विपरीत दोनो ने, जनसामान्य की शक्तियों को समझा, और उन्हे संघर्ष मे शामिल किया।

→ अंग्रेजो से लड़ाई मे - सामाजिक स्वतंत्रता के पक्षधर भी दोनो नेता रहे [दलितो के उत्थान में]

→ स्वतंत्रताप्राप्ति के प्रयास मे अनैतिक साधनो से दूरी बनाए रखी, (उदा. → I st व II nd विश्व युद्धो के समय मित्र राष्ट्रो के पक्ष मे झुकाव, न कि धुरी (राष्ट्र))

→ मानव स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, के पक्षधर रहें। गाँधी के सत्याग्रह को नेहरू ने अपनाया, और नेहरू के पूर्णस्वराज को गाँधी का समर्थन

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दृष्टिकोण मे अंतर

गाँधी	नेहरू
→ स्वतंत्रता के बाद राज्य के अस्तित्व को नकारते है, और रामराज्य की परिकल्पना	→ ये व्यवहारिक दृष्टिकोण एवं राज्य की जरूरत के अनुरूप कल्याणकारी के पक्षधर।
→ धर्म व राजनीति का समन्वय (धर्म → कर्तव्यपालन)	→ धर्म और राजनीति का अलगाव और धर्मनिरपेक्षता की बात
→ मानववाद और वर्ग समन्वय की विचारधारा (समाजवाद नहीं)	→ लोकतांत्रिक समाजवाद के समर्थक और प्रगतिशील विचार
→ संघर्ष-विराम-संघर्ष की रणनीति पर अमल।	→ सतत संघर्ष और जुझारू राष्ट्रवाद (इसीलिए असहयोग आंदोलन वापसी पर नाराजगी)

भले ही वैचारिक मतभेद रहे हो, परंतु गाँधी और नेहरू दोनो ही भारत की स्वतंत्रता और समानता के पक्षधर रहें।

VisionIAS

3. द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत वि-औपनिवेशीकरण को तीव्र करने वाले प्रमुख कारक क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What are the key factors that accelerated decolonization post-World War II? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

द्वितीयविश्वयुद्ध के बाद, विऔपनिवेशीकरण का तीव्र दौर चला, जहाँ राष्ट्रो मे उपनिवेश के प्रति आंदोलनात्मक गतिविधियाँ और तेज हुई।

① यूरोप मे आर्थिक ठहराव

↳ फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, इटली जैसी शक्तियाँ अपना प्रभुत्व खो चुकी थी, और आर्थिक रूप से पंगु हो चुकी थी, ऐसे मे उपनिवेशो का दबाव झेलना मुश्किल।

② महाशक्तियो का दबाव

↳ रूस एवं अमेरिका, नवोदित राष्ट्रो को अपने गुटो क्रमशः समाजवादी व पूंजीवादी मे मिलाना चाहते थे, इसलिए इन्होने उपनिवेश स्वतंत्रता का समर्थन किया।

③ गुटनिरपेक्ष आंदोलन की शुरुआत

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ भारत, इंडोनेशिया, यूगोस्लाविया जैसे नवोदित राष्ट्रो ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता का मुद्दा मुखर किया, और सफल हुए।

④ राष्ट्रवाद का उदय

↳ भारत में, ब्रिटेन के प्रति। दक्षि० एशिया में ब्रिटेन के प्रति
↳ फिलीपींस में, USA के प्रति। इंडोचीन में फ्रांस के प्रति

उपनिवेशो में राष्ट्रवादी आंदोलनो में बढोतरी हुई।

⑤ संयुक्त राष्ट्र संघ भूमिका

↳ द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद UN जैसी संस्था ने विऔपनिवेशीकरण को गति दी, एशिया - अफ्रीका के राष्ट्रो को स्वतंत्रता मिली।

उपरोक्त प्रयास विऔपनिवेशीकरण को लाने में सहायक रहें, और साथ पुरानी उपनिवेश गतिविधियो पर विराम लगा।

VisionIAS

4. मानव अतिक्रमण शहरी क्षेत्रों में जल निकायों को किस प्रकार प्रभावित करता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
How does human encroachment impact water bodies in urban areas? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शहरी जल संकट के संदर्भ मे नीति आयोग के (CWMA) अनुसार, बेंगलुरु जैसे शहर जीरो ऑवर की ओर बढ रहे है, और भूजलसंकट (1000 CBM) से नीचे जा रहा है।

मानवीय अतिक्रमण का जल निकायो पर प्रभाव

(1) बढती जनसंख्या

→ मुंबई का जनघनत्व 21000/km व्यक्ति, ऐसे मे रहवास के लिए भूमि की आवश्यकता, इसलिए जल निकायो की भूमि पर भार।

→ अधिक जनसंख्या, अधिक जल की मांग

→ नगरीय निकायो की अप्रभाविता

(2) औद्योगिकरण

→ उद्योगो से निकला गंदा जल → कानपुर मे गंगा नदी प्रभावित

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ अपशिष्टों का जल मे अपवहन → यमुना में झाग

→ औद्योगीकरण के कारण रियल स्टेट बूम
↳ जो जमीन जल निकायो के भराव की वहाँ सब बिल्डिंग

③ जल निकायो में औद्योगिक / ठोस अपशिष्ट भराव

- → प्रभावी ड्रेनिंग नही की जाती है।
- → जल निकायो का तल, भर जाता है।
- → ठोस / प्लास्टिक अपशिष्टों का बड़ी मात्रा
- → उदा. → श्रीनगर (झेलम नदी में) → बेंगलुरु (बेलंदूर झील)

④ पर्यावरण प्रदूषण

- → मानवीय गतिविधियो द्वारा ई अपशिष्ट का निष्कर्षण
- → लगातार बढ़ते शहरी जनसंख्या के कारण प्रदूषण।

प्रयास
- → मिशन लाइफ (पर्यावरण आधारित समाधान)
- → स्मार्ट सिटी (AMRUT मिशन)
- → जल निकायो का संभरण [अमृत सरोवर]
- → पर्यावरण आधारित समाधान [जागरूकता]

सतत शहर और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग (SDG-12) इस समस्या का समाधान सहयोगी।

VisionIAS

5. भौतिक भौगोलिक विशेषताएं परिवहन प्रणालियों के विकास और संचालन को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
How do physical geographical features influence the development and operation of transportation systems? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

परिवहन प्रणालियो के विकास मे, भौगोलिक कारको की प्रमुख भूमिका होती है, जिन्हे हम निम्न आयामो मे समझ सकते है

① सड़क परिवहन के संदर्भ मे
- पर्वतो मे सड़क निर्माण मुश्किल प्रक्रिया होती है, परंतु BRO द्वारा इसमे प्रयास (सुरक्षा संदर्भ)
- मैदानो मे सड़क निर्माण आसान
  उदा. → राष्ट्रीय राजमार्ग और ग्रामीण सड़कें।

② रेलवे परिवहन के संदर्भ मे
- पुलो के माध्यम से, नदियो के ऊपर पटरी निर्मित
- दूरदराज तक पहुँचने मे रेल सफर मे आसानी
- मदद हुई

③ जल परिवहन
- समुद्र और जल के माध्यम से परिवहन (बंदरगाह)

④ वायु परिवहन
- हवाईजहाज के माध्यम से → सम्बंधपर्वत उड़ान (ओजोनमंडल मे वायुमंडल परिस्थिति)

VisionIAS

भौतिक भौगोलिक विशेषताओं का प्रभाव

→ जेटस्ट्रीम के साथ उडान भरते समय, कम ईंधन खर्च (हवाईजहाजों में).

→ नदी तंत्र के साथ, जल परिवहन सस्ता और टिकाऊ (उदा० → राईन नदी तंत्र)

→ पहाडो की अवस्थिति में → सुरंग / दर्रों के माध्यम से (उदा० → अटल टनल रोहतांग)

→ समुद्र के माध्यम से, पाइपलाइन परिवहन

उदा० → IMEC कोरिडोर में मध्यपूर्व से स्वच्छ ईंधन और गैस आपूर्ति हेतु एक पाइपलाइन निर्माण भी की जाएगी।

परिवहन निर्माण में भौगोलिक विशेषताएँ महत्वपूर्ण भूमिका रखती है, हालांकि विज्ञान एवं तकनीकी की मदद से भूगोल से संबंध और बदला जा रहा है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

6. महासागरीय गर्त किस प्रकार निर्मित होती हैं? इन महासागरीय उच्चावच संरचनाओं की महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
How are ocean trenches formed? Describe the significant characteristics of these oceanic relief formations. (Answer in 150words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महासागरीय गर्त नितल के सबसे गहरे स्थान होते है, इनकी गहराई २०००० मी. गहरी हो सकती है (उदा. → मेरियाना गर्त)

गर्त का निर्माण

→ दो प्लेटो का संचलन और अभिसरण

→ अभिसरण के फलस्वरूप, भारी प्लेट नीचे की ओर गतिशील और गहराई मे जाकर गर्त का निर्माण।

महासागरीय उच्चावच संरचना

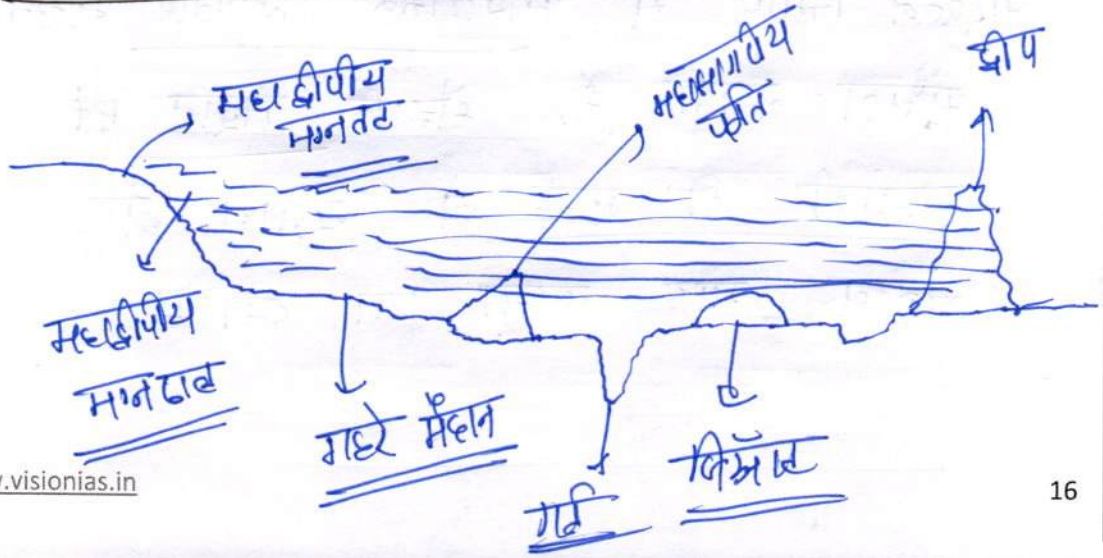

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विशेषताएँ

(1) महाद्वीपीय मग्न तट, महासागरो के उथले भाग है, यहाँ विशेषतः तेल क्षेत्र और ऊर्जा क्षेत्र और मत्स्यन क्षेत्र होते है

(2) मग्न ढाल ये ढलानदार आकृति युक्त गहरे मैदानो से जुडे होते है

(3) गहरे मैदानो मे विभिन्न संरचनाएँ यथा
- सागरीय पर्वतो की श्रृंखला
- जब इनका अपरदन तब गियॉट निर्माण
- ज्वालामुखीय द्वीप की उपस्थिति

(4) महासागरीय गर्त, जो सबसे गहरा सागरीय नितल होते है

महासागरीय संरचना पृथ्वी की भौगोलिक विशिष्टता का उदा० है, जो पारिस्थितिकीय विशिष्टता प्रदान करती है

VisionIAS

7. हाल के समय में संपूर्ण भारत में अत्यधिक वर्षण की घटनाओं की बढ़ती संख्या के पीछे निहित कारणों की पहचान कीजिए। उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का आकलन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Identify the reasons behind increasing number of extreme rainfall events throughout India in recent times. Assess their socio-economic impact. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप अत्यधिक वर्षण की घटनाएँ देखी जा रही है, वही 20-30 वर्ग किमी. के क्षेत्र में 100 cm से अधिक की वर्षा होकर बादल फटने की स्थिति भी बन रही है।

अत्यधिक वर्षण की घटनाएँ

① ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता तापमान
→ ये बढ़ते वाष्पीकरण को प्रेरित करता
→ और वर्षा की अधिकता होती है

② शहरी ऊष्मा द्वीप
→ ये हीट आइलैंड, एक साथ छोटे क्षेत्र में वर्षा के केंद्र बन जाते है
तब → शहरी बाढ़ और जल भराव

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अन्य कारण

1. भूस्खलन के कारण → GLOF बाढ और पहाडी क्षेत्रो मे भारी बारिश होना।
2. हिंद महासागर का तापमान बढ रहा है ऐसे मे उष्णकटिबंधीय चक्रवातो की बारंबरता → भारी वर्षा लाता है

सामाजिक - आर्थिक प्रभाव

सामाजिक	आर्थिक
↳ निचले इलाके जलमग्न लोगो की आजीविका, घर प्रभावित।	↳ कृषि प्रभावित ↳ क्योकि मानसून निर्भर
↳ बाढ के कारण तनाव, विस्थापन और संघर्ष उदा → पाकिस्तान	↳ आजीविका का साधन, रोजगार प्रभावित होना
↳ शहरी बाढ मे बढोत्तरी उदा दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु	↳ देश की अधोसंरचना प्रभावित ↳ उदा → सडके उखडना आदि

ऐसे मे पर्यावरण आधारित समाधान, मिशन मौसम पूर्व चेतावनी जैसी प्रणालियाँ सहायक होगी।

VisionIAS

8. वर्ष 2030 तक भारत में विश्व की सबसे बड़ी कामकाजी आयु वाली जनसख्या होने की संभावना है तथा यह कार्यबल में महिलाओं की कम भागीदारी के जोखिम को अब और अधिक नहीं उठा सकता है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
India is expected to have the largest working-age population in the world by 2030 and it cannot afford low participation of women in the workforce anymore. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत जनांकिकी लाभांश से गुजर रहा है परंतु मैकिंसे रिपोर्ट बताती है कि महिलाओ की कम भागीदारी भारत की GDP को 2 से 3% नुकसान पहुंचाती है

कार्यबल की संभावनाएं

- भारत को 5 ट्रिलियन डालर की इकॉनमी बनाना
- भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाना
- भारत मे असेंबली इंडस्ट्री और स्टार्टअप कारोबार बनाना
- MSME और सेवा निर्यात को बढ़ाकर GDP के साथ समान/समावेशी विकास
- भारत को Repair capital बनाना।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महिलाओ की कमी होने पर चुनौती

→ महिलाओ की [PLFS भागीदारी – 37% है]
↳ ऐसे मे असमान वेतन की चुनौती।

→ आर्थिक उत्पादकता का पूरा लाभ नही [क्योकि 49% महिलाए]

→ सामाजिक असमानता मे बढोत्तरी

→ नैतिक कमजोरी का प्रश्न उठता है।

ऐसे मे महिला भागीदारी बढाकर, भारत को एशिया मे विशिष्ट स्थान दिलाने की प्रयास हेतु →

① समान कार्य समान वेतन।

② महिलाओ की STEM मे भूमिका

③ शिक्षा और स्वास्थ्य मे महिला सशक्तिकरण

④ गिग इकानॉमी मे महिलाएं

⑤ 2025 तक 25x25 रणनीति महिलाओ को IT-BPO मे भागीदारी

उपरोक्त प्रयास महिला भागीदारी को बढाते है

VisionIAS

9. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि भारत में जाति का प्रगतिशील धर्मनिरपेक्षीकरण हुआ है? प्रासंगिक उदाहरणों के साथ अपने विचार का समर्थन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Do you agree that there has been a progressive secularization of caste in India? Support your view with relevant examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जाति व्यवस्था कई परिवर्तनो से गुजरी है, सेवो मे ज्याति का प्रगतिशील धर्मनिरपेक्षीकरण देखने मिला है

(1.) धर्म के मामले मे, अब जाति आगे बढकर सर्वधर्मसमभाव की ओर।
उदा० → त्योहारो मे एकता

(2.) महानगरीय शहरो मे cost (कीमत) को caste (जाति) के ऊपर तरजीह ऐसे मे आर्थिक स्वायता को धार्मिक स्वायता से अधिक महत्व।

(3) दबाव समूह के माध्यम से धर्मनिरपेक्षीकरण
↳ उदा. → भीम आर्मी द्वारा धर्मनिरपेक्षता की मांग

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) आज DICCI जैसी (दलित-चैंबर्स) जो धार्मिक प्रवृत्ति से ऊपर होकर धर्मनिरपेक्षता का मुद्दा उठा रहे हैं

(5) जातियों में न केवल हिंदु धर्म, बल्कि सिख और मुस्लिम भी धर्मनिरपेक्षीकरण की ओर

हाँलाकि आज भी धार्मिक झुकाव

उदा० → (1) जातियों के धर्म से जुड़े अटूट बंधन।

(2) राजनीति के माध्यम से वोटबैंक पोलीटिक्स का हिस्सा बनना

उदा० → मंडल vs कमंडल

उपरोक्त तथ्य दिखाते है, जाति की भूमिका धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रगतिशील और स्थायी दोनो ही है

VisionIAS

10. समग्र निर्धनता में कमी के बावजूद भारत में असमानता क्यों बढ़ती जा रही है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Why is inequality increasing in India despite the fall in overall poverty? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नीति आयोग का MPI बताता है कि २००5 से २०22 में भारत ने 415 मिलियन लोगो को गरीबी से बाहर किया है। परंतु वहीं ऑक्सफैम रिपोर्ट बताती है कि आज भारत में 5% लोगो के पास 60% तक संपत्ति है।

निर्धनता में कमी के बाद भी असमानता क्यों?

1. असमान विकास
- ग्रामीण क्षेत्र की अनदेखी
- MSME विकास नहीं
- महिलाओं को समान कार्य समान वेतन नहीं

2. विकास के विकृत पैटर्न
- श्रम उद्योग के बजाय ऑटोमेशन आधारित पूंजी उद्योग

VisionIAS

जो पूंजीपति की आय बढ़ाते हैं,
परंतु श्रमिक की नहीं।

② सामाजिक कारक

→ स्वास्थ्य और शिक्षा पर व्यय अधिक
→ जाति / धर्म / लिंग के आधार पर होती हिंसा
→ एक वर्ग का कमजोर होना → सच्चर आयोग (अल्पसंख्यक) → इदाते आयोग (जनजातियाँ)

कैसे प्रयास किए जा सकते हैं

① सतत, समावेशी, संतुलित विकास

② GDP में आर्थिक वृद्धि के साथ आर्थिक विकास मापन

③ गेट्स बजट मॉडल
└→ कॉरपोरेट सोशल रिसपोंसिबिलिटी के माध्यम से

④ सामाजिक सद्भाव
└→ परोपकार, न्याय, सामाजिक आचरण

सरकारी प्रयासों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मानवीय सहायता के अलगाव दूर की जा सकती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

11. ब्राह्मणवाद और बौद्ध धर्म के बीच अर्थ, अनुयायियों और विचारधारा को लेकर हुई प्रतिस्पर्धात्मक एवं शत्रुतापूर्ण गतिशीलता ने किस प्रकार बौद्ध धर्म के पतन में भूमिका निभाई? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
How did the competitive and hostile dynamic between Brahminism and Buddhism over funding, followers, and ideology mark the decline of Buddhism? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस ब्लॉशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन के रूप में उदित बौद्ध धर्म, जिसने अहिंसा और समन्वयता का पाठ सिखाया, आगे ब्राह्मणवाद के प्रकोप के कारण उसे अर्थ, अनुयायियो, और विचारधारा के क्रम में पतनशीलता सहनी पड़ी।

अर्थ (फंडिंग) के संदर्भ में

- जहाँ एक ओर ब्राह्मणों को भूमि अनुदान की प्राप्ति होती थी, और वित्त की व्यवस्था, वही बौद्ध मठो के दान में कमी आई।
- ब्राह्मण पंथ ने समय साहूकारी व्यवस्था से समझौता किया, वही बौद्ध मठो द्वारा लगातार धन अपव्यय और भिक्षुओ की अनैतिक गतिविधियो से धन की क्षति हुई।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुयायियो के संदर्भ मे

↳ अशोक के बाद बौद्ध धर्म को संरक्षण देने मे अनिच्छुता देखी गई, अगर हम कुषाण एवं पाल शासको को हटा दें, तो कही भी राजकीय संरक्षण नही मिलता।

↳ वही ब्राह्मण धर्म को पुष्यमित्र शुंग के माध्यम से पुनरुत्थान किया गया, आगे सातवाहनों और गुप्त राजाओ, तत्पश्चात क्षेत्रीय शक्तियो मे शशांक और राजपूत राजाओ ने ब्राह्मणवाद को आश्रय दिया।

ऐसे मे राजकीय संरक्षण और अनुयायियो की घटती संख्या ने पतन मे भूमिका निभाई।

विचारधारा के संदर्भ मे

↳ बौद्ध विचारधारा विकास के क्रम मे जटिल होती गई

उदा० → बौद्ध संघो का नैतिक पतन

↳ तंत्रवाद से संबंध (वज्रयान) → पालो के समय

↳ लोभ, मत्स्य, लालची, मैथुन प्रवृत्तियाँ

VisionIAS

ऐसे मे बौद्ध के विपरीत, ब्राह्मणवाद अपने आचरण मे सुधार का प्रयास कर रहा था।

उदा० → जातियो से समझौता (उदा० → कायस्थों का उदय)
- → राजाओ से संबंध (यज्ञो के माध्यम से)
- → कृषि अनुदान व ग्राम अनुदान के माध्यम से

पतन की प्रक्रिया

- → ब्राह्मणवाद से प्रतिस्पर्धा का स्वरूप दक्षिण भारत मे भी देखा गया, जहाँ चोल-पल्लव काल मे बौद्धो की अपेक्षा हिंदू धर्मविधियां
- → शशांक द्वारा बोधि वृक्ष को काट देना
- → मिहिरकुल और हूणो द्वारा बौद्धो को सताना। (क्योंकि शैव भक्ति को मानते)

अंत मे तुर्की आक्रमण से बौद्ध धर्म पर अंतिम कुठाराघात हुआ, परंतु फिर भी बौद्ध धर्म की शिक्षाए एवं विचार आज भी जीवंत है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

12. मध्यकाल में आए यूरोपीय यात्रियों के वृत्तांतों ने भारत के तत्कालीन साम्राज्यों और जनसामान्य के बारे में हमारी समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
European travellers' accounts in the medieval period have played an important role in shaping our understanding of the empires and people of that period in India. Comment. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मध्यकालीन भारत मे यूरोपीय वृतांत भारत को जानने मे विशिष्ट महत्व रखते है, ये यूरोप, अफ्रीका, चीन और दक्षि. एशिया तक भारत की ख्याति फैलाते है

अलबरूनी से शुरूआत

→ टूटते हुए मंदिरो, गरजते युद्ध और तीव्र तुर्की आक्रमणो के बारे मे, 11वी सदी का एकमात्र विश्वसनीय स्रोत [अलबरूनी की किताब-उल-हिंद]

→ राजपूत राज्यो की जानकारी। → एकता नही आपस मे

→ भारत की जाति व्यवस्था। → अस्पृश्यता जैसी समस्या

निकोलो कोंटी

→ इटली से आने वाला यात्री दक्षिण भारतीय राज्यो की जानकारी देता है विजयनगर बहमनी

मार्कोपोलो

→ दक्षिण भारत के पाण्ड्य राज्यो के बारे मे और इटली तक भारत की ख्याति।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इब्नबतूता → मोरक्को

→ दिल्ली सल्तनत का इतिहास जानने का विश्वसनीय स्रोत है (1333 ई.) – मोहम्मद बिन तुगलक के समय काजी नियुक्त।

विजयनगर के यात्री

→ फारस का अब्दुर रज्जाक (देवराय द्वितीय के काल)

→ विजयनगर के राजधानी, तीन चौथाई की चर्चा।

→ बारबोसा और नूनिज (पुर्तगाली)

→ कृष्णदेवराय के समय की व्यवस्था, सती प्रथा का उल्लेख

मुगलकाल में

→ फादर मोंसेरात (जेसुइट संत) → ईसाई धर्म प्रचार

→ फ्रांसिस बर्नियर और पीटर मुंडी

ये मुगलकालीन साम्राज्य व्यवस्था और समाज की छवि को सामने लाते हैं और गृहयुद्ध (उत्तराधिकार संघर्ष) की भी व्याख्या करते हैं

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मध्यकालीन यात्री विवरणों की अन्य विशेषताएँ

→ ये लेखन पूर्वाग्रह से ग्रसित कम होते हैं और समाज के निम्न वर्गों की बात भी करते हैं।

उदा → शाहजहाँ के काल में पड़े अकाल और किसानों की स्थिति की चर्चा।

→ महिलाओं की स्थिति के बारे में,

उदा → विजयनगर की महिलाएँ युद्ध, ज्योतिष, नृत्य कला में पारंगत थीं, परंतु वहाँ सती प्रथा अस्तित्व में थी।

हालांकि विवरणों को समकालीन इतिहासकारों के वर्णन के साथ भी जोड़कर देखना चाहिए, ताकि इतिहास के विषय की सही पटकथा का ज्ञान हो सके।

VisionIAS

13. 1757 में प्लासी के युद्ध में ब्रिटिश विजय ने न केवल भारतीय इतिहास बल्कि विश्व के इतिहास की दिशा भी बदल दी। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
The British victory in the Battle of Plassey in 1757 not just changed the course of Indian history but also that of the world. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1757 ई. में प्लासी का युद्ध बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला और अंग्रेजो के बीच हुआ, इसमे कुटिलता के माध्यम, अंग्रेजो ने जीत दर्ज की।

युद्ध

- अंग्रेजो ने मीरजाफर अमीरचंद, जगतसेठ, घसीठी बेगम को मिला लिया।
- नवाब युद्ध क्षेत्र मे अकेला पड गया, अंत मे भाग खडा हुआ, और क्लाइव के नेतृत्व मे विजय हुई।

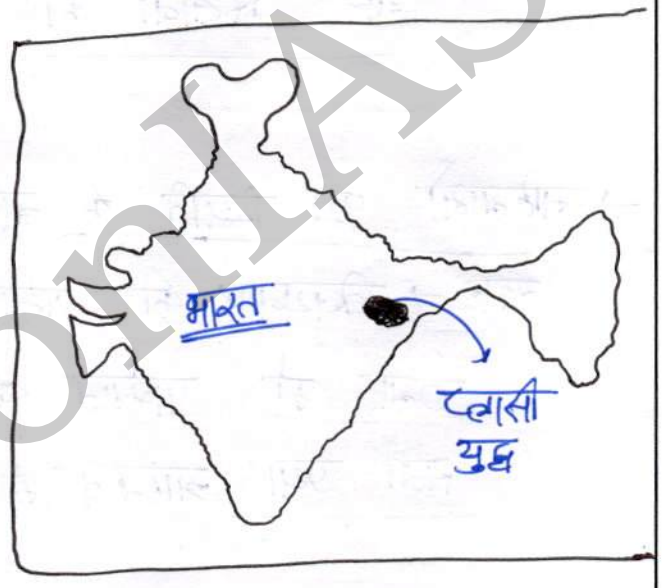

भारतीय इतिहास पर प्रभाव

- अंग्रेजो ने पहली बार, प्रत्यक्ष युद्ध मे किसी भारतीय प्रांत पर कब्जा जमाया।

VisionIAS

ऐसे मे भारत मे ब्रिटिश शासन की स्थापना का सूत्रपात हुआ।

↳ अंग्रेजो ने प्लासी से लूट की व्यवस्था शुरू की, जिसमे द्वैध शासन के माध्यम से बडी मात्रा मे भारत को दरिद्र बनाने का प्रयास और इंग्लैंड को धन की निकासी शुरू हुई।

↳ अंग्रेजो को बंगाल से प्राप्त होने वाला धन, अन्य क्षेत्रो मे अपनी प्रतिद्वंदी शक्तियो को हराने मे काम आया। उदा- डच, फ्रांस

↳ कुछ इतिहासकार यह भी दावा करते है कि प्लासी विजय आधुनिक युग की शुरुआत थी। हालाकि यह मानना कठिन है कि कोई घटना विशेष, इतना बडा परिवर्तन कर दें। परंतु फिर भी भारतीय इतिहास ने नया मोड लिया और भारत गुलामी की ओर जकडता गया

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व इतिहास पर प्रभाव

- ब्रिटेन ने फ्रांस को पराजित करना शुरू किया → वांडीवाश के युद्ध में।
- भारत से मिल रही धनसंपत्ति को सप्तवर्षीय युद्ध में भी काम लिया गया (1756-1763) → अंग्रेज विजयी
- कुछ विद्वान यह भी कहते हैं ब्रिटेन की यह विजय, उसे यूरोप में एकछत्र बना गई थी, और अब उसके पास औद्योगीकरण हेतु बड़ा बाजार था, और असीमित सैन्य क्षमता भी

आगे जब फ्रांस के सारे उपनिवेश छूटे, तो वहाँ फ्रांस की क्रांति ने भी जन्म लिया, और न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में क्रांति का प्रभाव फैला।

VisionIAS

14. विभाजन के बाद पंजाब की तुलना में पश्चिम बंगाल में शरणार्थियों का पुनर्वास करना अधिक कठिन क्यों था? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Why was it more difficult to rehabilitate refugees in West Bengal as compared to Punjab after partition? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15 अगस्त 1947 को भारत ने स्वतंत्रता के नवीन सूर्योदय के साथ विभाजन की काली छाया का भी सामना किया, ऐसे में शरणार्थियो का मुद्दा सबसे ज्वलंत रहा।

→ पंजाब में शरणार्थियो का मुद्दा

↳ यहाँ हिंदू, मुस्लिम, के साथ सिख समुदाय भी शरणार्थी के रूप में पलायन कर रहा था।

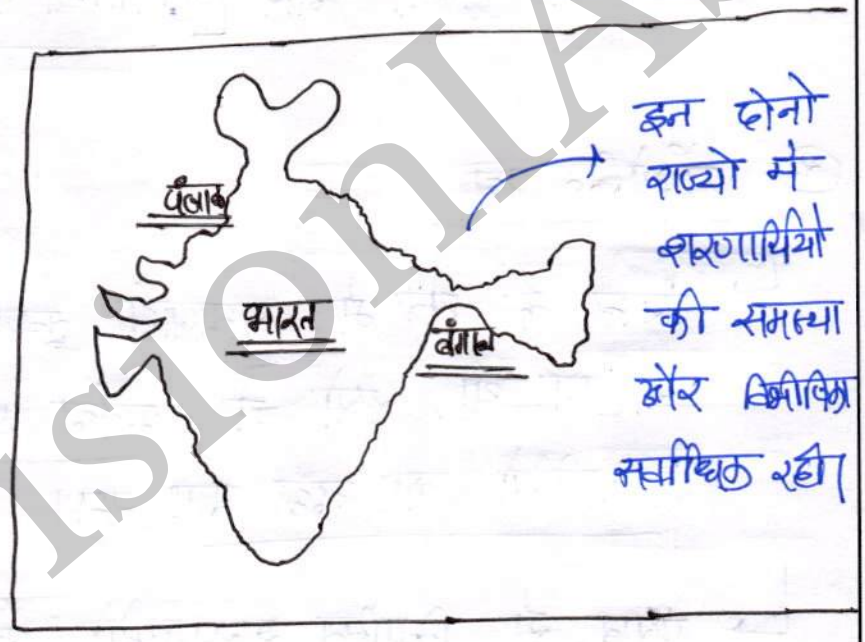

इन दोनो राज्यो में शरणार्थियो की समस्या और विभीषिका सर्वाधिक रही।

↳ पंजाब में विभाजन के समय रेडक्लिफ रेखा के माध्यम से हुए विभाजन से भीषण दंगे हुये।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बंगाल मे पंजाब की तुलना मे ज्वलंत मुद्दा क्यो हुआ

(1.) ऐतिहासिक पक्ष

↳ स्वतंत्रता पूर्व ही नोआखाली मे दंगो की शुरुआत हो चुकी थी, ऐसे मे बडी संख्या मे लोगो का शरणार्थी शिविरो मे आगमन हुआ, और [चुनौतियाँ व जटिलता अधिक]

(2.) भौगोलिक पक्ष

↳ बंगाल के क्षेत्र मे आवाजाही तुलनात्मक रूप से आसान थी, ऐसे मे अवैध प्रवासियो और शरणार्थियो का मुद्दा बना रहा।

↳ पंजाब से विस्थापित शरणार्थियो को दिल्ली मे जगह दे दी गई (उदा. → किंग्सवे कैंप व अन्य) परंतु कोलकाता एवं वहाँ के अन्य क्षेत्रो मे ऐसा देखने नही मिला।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ भाषायी अस्मिता का मुद्दा

↳ एक तो बंगाल ने स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़ी, ऐसे में विभाजन के बाद, शरणार्थी मुद्दा, लोगो के लिए बहुत चिंताजनक था।

↳ बंगाली भाषा के चलते अवैध शरणार्थियों के जत्थे भी पलायन करके आए।

④ पूर्वोत्तर की समस्या

↳ बंगाल के कुछ शरणार्थी पूर्वोत्तर की जनजातीय इलाको में भी बसने लगे थे, ऐसे में आपसी संघर्ष बढा (उदा → असम में NRC)

ऐसे में पंजाब की तुलना में बंगाल में शरणार्थी समस्या अधिक गंभीर रही, जो कमोबेश आज भी चुनौती बनी हुई है

VisionIAS

15. भारत में कोयले से हरित ऊर्जा की ओर ट्रांजिशन से जुड़ी आर्थिक और सामाजिक लागतों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Discuss the economic and social costs associated with the transition from coal to green energy in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतो का 44% हिस्सा कोयले से पूर्ति करता है, परंतु बढ़ते जलवायु परिवर्तन के अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा एवं (नेट जीरो - 2070) के प्रति भी भारत की प्रतिबद्धता है।

→ कोयले से नवीकरणीय ऊर्जा के ट्रांजिशन मे आर्थिक लागत पर चर्चा –

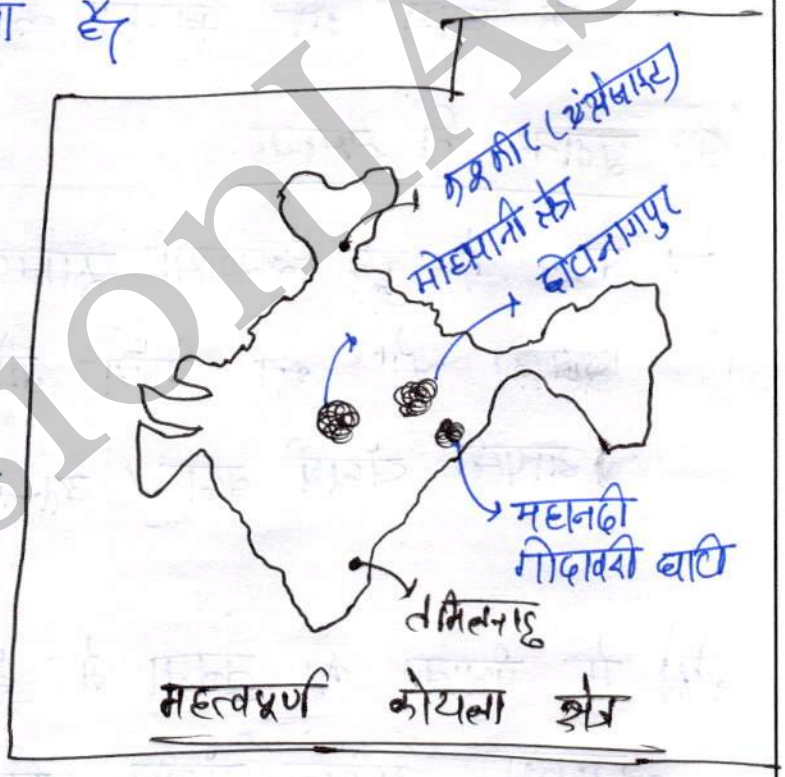

महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र

① कोयले के वृहद भंडार

↳ भारत मे कोयले के बड़े भंडार है, ऐसे मे उनका निष्कर्षण भी आधुनिक विधियो से तब लागत कम आती है

VisionIAS

वही नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना लागत कई गुना अधिक

उदा० → 1 मेगावाट भूतापीय ऊर्जा लागत (करोड़ में)

→ 1 मेगावाट परमाणु ऊर्जा लागत (करोड़ में)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② कोयला निष्कर्षण में सस्ता श्रम

↳ उ०प्र० में रेट होल माइनिंग और छोटा नागपुर क्षेत्र में बिहार/झारखंड के सस्ते मजदूर जो कार्यकुशलता भी दिखाते हैं

↳ वही नवीकरणीय ऊर्जा की तकनीकों को विदेशों से आयात। उदा० → सैमीकंडक्टर चीन/ताइवान से

③ कोयला का निर्यात एवं औद्योगीकरण वेग

↳ भारत निर्यात भी करता है, ऐसे में आय प्राप्ति भी

↳ उद्योगों का इंजन है, भारत को 5 ट्रिलियन डालर बनने के लिए जरूरी।

सामाजिक लागत

→ मजदूरों को मिलने वाला रोजगार कम होता है।

→ नवीकरणीय ऊर्जा स्थापना से सामाजिक संघर्ष भी देखने मिल रहे हैं

उदा० —

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) सौर प्लांट लगाने हेतु कृषि जमीनों का अधिग्रहण।

(2) परमाणु ऊर्जा स्थापना से विकिरण व स्वास्थ्य समस्या।

(3) जल ऊर्जा निर्माण बांध से। ऐसे में स्थानीय व पारिस्थितकीय विस्थापन
उदा. → नदी जोड़ो परियोजना (केन-बेतवा से)

क्या हो बेहतर प्रयास
→ चरणबद्ध समाप्ति
→ INDC (साझा एवं विभेदित उत्तरदायित्व)
→ PLI स्कीम के माध्यम से सेमीकंडक्टर और प्रौद्योगिकी का घरेलू निर्माण
→ सौर ऊर्जा व पवन ऊर्जा की राष्ट्रीय नीति
→ हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन (मिशन 2030)
→ सरकारी सब्सिडी और लोगों की जागरूकता
→ अंतर्राष्ट्रीय प्रयास - ISA

उपरोक्त प्रक्रिया हमें आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन में सामंजस्य स्थापित करना जोकि

16. ज्वालामुखीय काल्डेरा के निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। ये क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता में किस प्रकार योगदान करते हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Explain the process of formation of volcanic calderas. How do they contribute to the scenic beauty of the region? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी दरार / छिद्र के माध्यम से, भूसंवहन धाराओं की संचलन प्रक्रिया से, लावा - धूल - धुआ - मैग्मा - गैस का निर्क्षेपण ज्वालामुखी प्रक्रिया कहलाती है।

→ काल्डेरा क्या है?

ज्वालामुखी विस्फोट के समय, जब छिद्र / दरार एक चौड़े मुँह वाले गड्ढे के रूप में तब्दील हो जाती है, काल्डेरा कहलाती है।

→ काल्डेरा का निर्माण

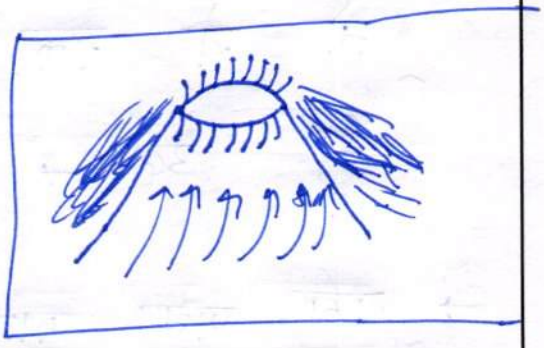

① विस्फोट होने के कारण एक बड़े क्रेटर का निर्माण होता है (जब सिलिका की मात्रा का प्रभाव, तीव्र विस्फोट)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② ये क्रेटर लगातार चलायमान (लावा के उगलने) से अपना आकार बड़ा कर लेता है,

③ इसे बड़े आकार के क्रेटर से चारो तरफ गड्ढे जैसी आकृति भर जाती है।

④ कालडेरा का निर्माण होता है।

→ यदि कालडेरा के निर्मित होने के बाद इसमे जल भर जाता है, तो ये एक झील निर्मित भी करता है। उदा → लोनार झील (महाराष्ट्र)

→ वही जब कालडेरा से बने विशाल गड्ढे में मैग्मा भर जाता है, तब उसे मैग्मा/लावा झील कहते है।

(USA) → अलास्का

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्राकृतिक सुंदरता में योगदान

→ कालेरा की स्थलाकृति मनोरम और पर्यटन को आकर्षित करने वाली होती है

→ पर्यटन के माध्यम से न केवल प्राकृतिक सुंदरता को स्थायित्व मिलता है, बल्कि आर्थिक / वित्तीय लाभ भी प्राप्त, [झील पर्यटन]

→ कालेरा से स्थलीय एवं जलीय पारिस्थितिक तंत्र भी जुड़ जाता है, जो सुंदरता को और बढ़ा देता है

कालेरा की स्थलाकृतियाँ, ज्वालामुखी प्रक्रियाओं का परिणाम है, एवं पृथ्वी पर अपनी प्राकृतिक मनोरम सुंदरता में विशिष्ट स्थान रखती है

VisionIAS

17. वैश्विक स्तर पर हीट वेव की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता के लिए कौन-से कारण उत्तरदायी हैं? इसका वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
What are the reasons behind the increased frequency and intensity of heat waves globally? How will it impact global food security? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

IMD के अनुसार, सामान्य / स्थलीय भागो के तापमान मे सामान्य से 10°C की वृद्धि (40°C से ऊपर हो) और पर्वतीय क्षेत्रो मे (30°C से ऊपर हो) तब उसे हीटवेव की स्थिति कहा जाता है

हीटवेव की बढती आवृति और तीव्रता के कारक

① ग्लोबल वार्मिंग
→ ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन बढ रहा है
→ कोयले एवं अन्य जीवाश्म ईंधनो का बढता उपयोग
→ वायुमंडलीय ओजोन और फोटोकेमीकल स्मॉग

② नगरीय ऊष्मा द्वीप की समस्या

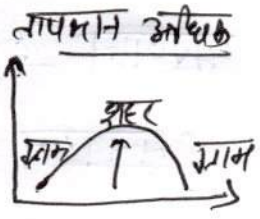

→ कंक्रीटीकरण बढना
→ जो गर्मी को अवशोषित कर रहा
→ हीट आइलैंड के रूप में (औद्योगिकीकृत क्षेत्र)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ वर्षा पैटर्न में बदलाव

→ सूखे की बढ़ती स्थिति और जल संकट

→ वर्षा की कमी एवं कृषि और खाद्य असुरक्षा

④ मानवीय गतिविधियाँ

→ पराली जलाना एवं जीवाश्म ईंधन उपयोग (ऊर्जा हेतु)

→ पर्यावरण का बढ़ता प्रदूषण

→ ध्रुवीय भंवर और समतापमंडलीय बादलों का निर्माण जो कि ग्लास हाउस को बढ़ावा [CFC के अधिक उपयोग] से

⑤ सीमित मात्रा में प्राकृतिक कारक

→ वनो में लगने वाली आग

वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव

① भारत सहित दक्षिण एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्र भुखमरी से पीड़ित [भुखमरी सूचकांक 111 वें]

→ ऐसे में चुनौती और गंभीर हो जाती

② खाद्य संकट का दौर

→ आबादी को पर्याप्त खाना प्राप्त नहीं

→ आपसी युद्ध का संकट

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ कृषि पैटर्न में बदलाव

↳ भारत में गेहूं की उत्पादकता कमजोर

④ किसानों की आय प्रभावित

↳ खाद्य असुरक्षा में बढ़ोत्तरी होगी, क्योंकि हीट वेव का प्रभाव पशुओं पर भी होगा।

विशिष्ट प्रयास

- पर्यावरण अनुकूल व्यवहार (मिशन लाइफ)
- वैज्ञानिक प्रयास (उदा.→ क्लाउड सीडिंग)
- पेरिस लक्ष्यों के अनुरूप (नेट जीरो का प्रयास)
- वैश्विक गठबंधन के माध्यम से
  - ↳ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण
  - ↳ लॉस एंड डैमेज फंड उपयोग

WHO और अन्य वैश्विक मौसम निकायों को मिलकर हीटवेव को प्राकृतिक आपदा के तौर पर नामांकित करना चाहिए, और विशिष्ट प्रयासों की आवश्यकता।

VisionIAS

18. घास के मैदान के बायोम की विशेषताओं की पहचान करते हुए, भारत में बन्नी घास के मैदानों के समक्ष उत्पन्न खतरों का उल्लेख कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Identifying the characteristics of the grassland biome, mention the threats posed to Banni grasslands in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्राकृतिक वनस्पतियो की श्रृंखला मे घास के मैदान अपनी विशिष्टता रखते है, ये ना केवल वनस्पतियो के आश्रय होते है, बल्कि जीवजंतुओ का रहवास और जनजातियो के आश्रय मे भी सहायक होते है

घास के मैदान बायोम की विशेषता

① छोटी और मध्यम घास
- यह पोषक होती है → तृणभक्षियो के लिए
- यह वन्यजीवो के विचरण के लिए और कई बार छुपने मे भी सहायक होती है (शिकार के समय)

② लंबी हरी पर वृक्षो का स्थान भी
- शुष्कीय पारिस्थितकी तंत्र युक्त पर्णपाती वृक्षो की मवीजात

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ आग की चुनौती

→ घास के मैदानों मे आग की चुनौती देखी जाती है, जो बढ़ते तापमान के कारण भी।

④ चारण गतिविधियो मे सहायक

→ पशुओ को पौष्टिक चारे की प्राप्ति

→ जनजातिय खाद्य पदार्थो मे भी उत्पाद

भारत मे बनी घास के मैदानो के समक्ष खतरे

① बढ़ती जनसंख्या

→ आवास की प्राप्ति के कारण बनी घास के मैदानो मे मानव आवासो और शहरी जनसंख्या की बढ़ोत्तरी।

② बढ़ता औद्योगीकरण

→ औद्योगीकरण एवं फैक्ट्रियो की स्थापना और उनके माध्यम से बढ़ता प्रदूषण

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ पर्यावरण निम्नीकरण

↳ इसरो के मरुस्थलीकरण एटलस के अनुसार 97.8 मिलियन हेक्टेयर भूमि निम्नीकरण की ओर, ऐसे में बन्नी घास मैदान भी प्रभावित।

④ वर्षा पैटर्न में बदलाव

↳ जलवायु परिवर्तन, कम वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग के कारण शुष्कता की चुनौती।

⑤ मानवीय गतिविधियों के अलावा अन्य चुनौतियाँ

↳ मृदा अपरदन ↳ शुष्क वातावरण ↳ अतिचारण

संरक्षण प्रयास

- → स्थानीय समुदायों / जनजातियों के माध्यम से
- → बायोम मित्रों का स्वयं सहायता दल बनाकर
- → पर्यावरण अनुकूल समाधान अपनाकर

घास के मैदान बायोम अपनी पारिस्थितिकीय विशेषता से संदर्भित होते हैं, कई सारे सूक्ष्म जीव, जीव-जन्तु इनसे जुड़े होते हैं. ऐसे में संरक्षण जरूरी।

VisionIAS

19. धर्मनिरपेक्षता के प्रति भारत का दृष्टिकोण न केवल अंतर-धार्मिक प्रभुत्व को चुनौती देता है, बल्कि अंतरा-धार्मिक प्रभुत्व को भी चुनौती देता है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
India's approach to secularism does not merely challenge inter-religious domination but intra-religious domination as well. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

धर्मनिरपेक्षता का शाब्दिक अर्थ - राज्य का धर्म से अलगाव है। हालांकि भारतीय परिप्रेक्ष्य मे इसका विशिष्ट अर्थ है जहाँ - राज्य पंथनिरपेक्ष रहते हुए, सभी धर्मों को समान मानता है, और सर्वधर्मसमभाव की भावना रखता है।

अंतर धार्मिक प्रभुत्व को चुनौती

→ **संविधान**

↳ भारतीय संविधान (अनु. 25-28) सभी धर्मों को स्वतंत्रता प्रदान करता है, सभी धर्म अपने मत को व्यक्त कर सकते हैं, प्रचार कर सकते हैं।

आवश्यकता पड़ने पर राज्य हस्तक्षेप

↳ तीन तलाक पर कानून (हिंदू-मुस्लिम धर्म महिलाओ की समानता स्थापना) (न्यायालय द्वारा भी समर्थन - सही माना)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ समान नागरिक संहिता

↳ अनु. 44 के तहत UCC का उल्लेख, हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर लागू नहीं, परंतु विभिन्न निर्णयों एवं राज्यों (उत्तराखंड) मे इसका प्रभाव है

उदा० → महिला सम्मान के लिए प्रयास
↳ धर्मो मे समन्वयता और सामंजस्यता का प्रयास

अंतराधार्मिक प्रभुत्व की चुनौती

↳ भारत मे धर्मो के भीतर विभेद को रोकने का प्रयास किया जाता रहा है।

उदा० → इंडियन यंग लायर्स केस (2018), शबरीमाला मंदिर में महिलाओ का प्रवेश।

↳ मुस्लिम महिलाओ एवं [आपसी विभाजन (→ शिया, → सुन्नी, → अहमदिया) को रोकने हेतु समय समय पर न्यायिक निर्णय और कानूनी प्रयास।

↳ अंतराधार्मिक चुनौतियो को समाप्त करने हेतु

आरक्षण → जनजातियो को (16(4) 16(5)
→ दलितो को (15(4) (15(5)
→ अस्पृश्यता रोकने का प्रयास (अनु 17)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

धार्मिक समन्वयता के अन्य प्रयास

कानूनी प्रयासो से इतर, भारतीय परिवेश में अन्य पहलू भी देखे जा सकते है।

→ प्रधानमंत्री मोदी की सभी धर्मगुरुओं की संसद संगोष्ठी (समन्वयता बढ़ाती)

→ भारत के विभिन्न त्योंहार आपसी एकता और अखंडता को बढ़ाते (ईद और दीवाली)

→ सभी पंथो को सम्मान देने की ऐतिहासिक परंपरा → नानक, कबीर, गांधी

धार्मिक समन्वयता को कई बार साम्प्रदायिकता और जातवाद द्वारा खंडित करने का प्रयास किया जाता है, ऐसे में सरकार के साथ साथ आमजन / NGO / सिविल सोसाइटी को मिलकर सामंजस्य एवं विविधता में एकता का प्रयास करना चाहिए।

VisionIAS

20. क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं कि भारतीय शहर घोर असमानता और सामाजिक बहिष्करण के परिदृश्य में बदलते जा रहे हैं? भारत में शहरी क्षेत्रों को अधिक समतावादी बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Do you agree with the view that Indian cities are turning into landscapes of stark inequality and social exclusion? What steps can be taken to make urban areas more egalitarian in India? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत में बढ़ती असमानता के संदर्भ में PRICE की रिपोर्ट, कि पिछले 10 वर्षों में शीर्ष 20% की आय में 53% बढ़ोतरी वही अंतिम 20% की आय में 39% कमी हुई।

शहरों में घोर असमानता क्यों?

① शहरी मलिन बस्तियाँ (17% से अधिक जनसंख्या)

② शहरी बेरोजगारी → कौशल विकास की कमी

③ गरीबी का शहरीकरण → बढ़ते हुए प्रवास के कारण

④ लैंगिक असमानता

→ OECD की रिपोर्ट, महिलाएं अपने पुरुष समकक्ष से 34% कम वेतन प्राप्त।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

असमानता का यह पैटर्न आर्थिक रूप तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक प्रतिरूप में और सामाजिक रूप भी।

सामाजिक बहिष्करण

1. शहरों में जाति आधारित मोहल्ले / बस्तियाँ
2. मैला ढोने की प्रथा, आज भी जारी
3. प्रवासन के माध्यम से श्रमिक वर्ग का शहरों में आगमन
4. बाज़ारी और विज्ञापन

→ वास्तविकता तो यह भी है कि →
दिव्यांगजन, अल्पसंख्यक, महिलाएँ, दलित - St जनजातीय समाज भी असमानता पीड़ित है

VisionIAS

क्या प्रयास किए जा सकते हैं

↳ सरकारी योजनाओं के माध्यम से

→ PM शहरी आवास योजना (घर निर्माण)

→ PM स्वनिधि (स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण)

→ PM स्टैंड अप इंडिया (पिछड़े वर्गों को लोन)

→ मुद्रा लोन व विश्वकर्मा स्कीम (उद्योग स्थापना हेतु)

↳ नागरिक समाज के प्रयास

→ NGO के माध्यम से गरीबी उन्मूलन

↳ उदा० → YUVA NGO जो मुंबई में धारावी स्लम को सुधारने का प्रयास

→ SHG की भूमिका → महिला सशक्तिकरण

↳ उदा० → सेवा और कुटुम्ब श्री के माध्यम से

↳ अन्य प्रयास

→ लोगों में सहिष्णुता, समानता, और परोपकारिता का भाव

→ ग्रामीण औद्योगिकरण का प्रयास

PURA (कलाम), RURBAN (रूरबन) और शहरी मनरेगा जैसे प्रयास करने कारगर हो सकते हैं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS